KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 6

भक्ति-सूफी परंपराएँ

भाग - 1

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

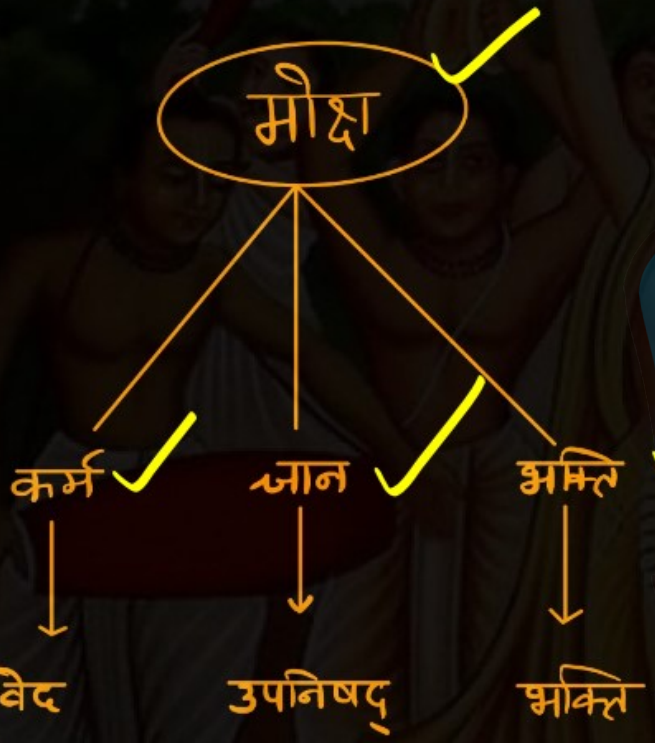

- भारतीय दर्शन में मोक्ष प्राप्ति के तीन मार्ग – ज्ञान, कर्म, भक्ति बताये गये हैं।
  - वेदों में कर्म मार्ग पर बल दिया गया है।
  - उपनिषदों में ज्ञान मार्ग पर बल दिया गया है।
  - और मध्यकाल में भक्ति मार्ग पर बल दिया गया है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

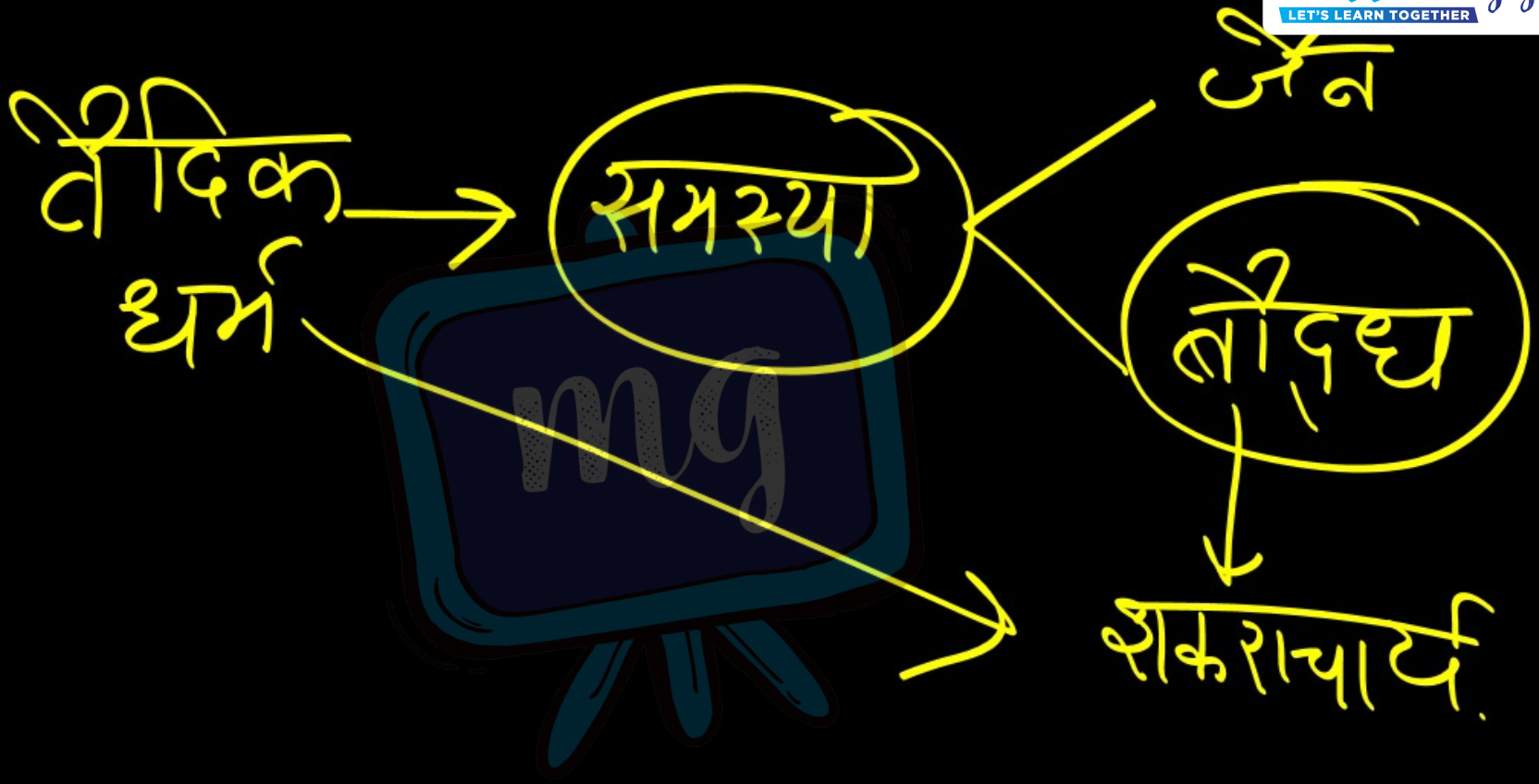

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- मध्य काल में अनेक ऐसे धार्मिक विचारक हुए जिन्होंने भक्ति को अधिक महत्व दिया एवं धर्म सुधार का एक नया आंदोलन प्रारम्भ किया जो भक्ति आंदोलन के नाम से विख्यात हुआ।
- आंदोलन का इतिहास महान धर्म सुधारक शंकराचार्य के समय से आरम्भ होता है जिन्होंने तत्कालीन बौद्ध धर्म को टक्कर देते हुए हिन्दु धर्म को एक ठोस व दार्शनिक आधार पर खड़ा किया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अद्वैतवाद

अ - नहीं
द्वैत - भेद
वाद - सिद्धांत

जीव = ब्रह्म

- इन्होंने अद्वैत दर्शन की स्थापना की एवं मोक्ष के ज्ञान मार्ग पर अधिक बल दिया।
- इस धार्मिक विचारधारा के मुख्य प्रवर्तकों में रामानुज, रामानन्द व उनके शिष्य रैदास, कबीर आदि प्रमुख थे।
- भक्ति आंदोलन के महानतम सन्तों में चैतन्य, नामदेव, तुकाराम, कबीर, नानक थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

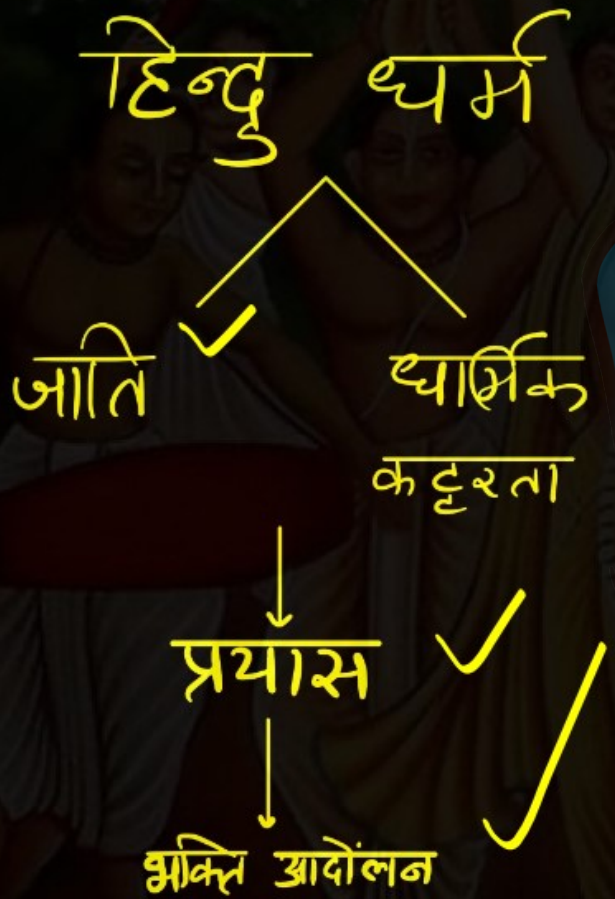

- इन सुधारकों ने हिन्दु धर्म के बाह्यआडम्बरों, जाति-व्यवस्था तथा धार्मिक कट्टरता का विरोध किया एवं हिन्दु धर्म में सुधार का प्रयास किया।
- भक्ति आंदोलन व्यापक था और सम्पूर्ण देश में उसका प्रसार हुआ।
- बौध धर्म के पतन के बाद भारत मे इतना व्यापक व लोकप्रिय अन्य कोई आंदोलन नहीं हुआ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

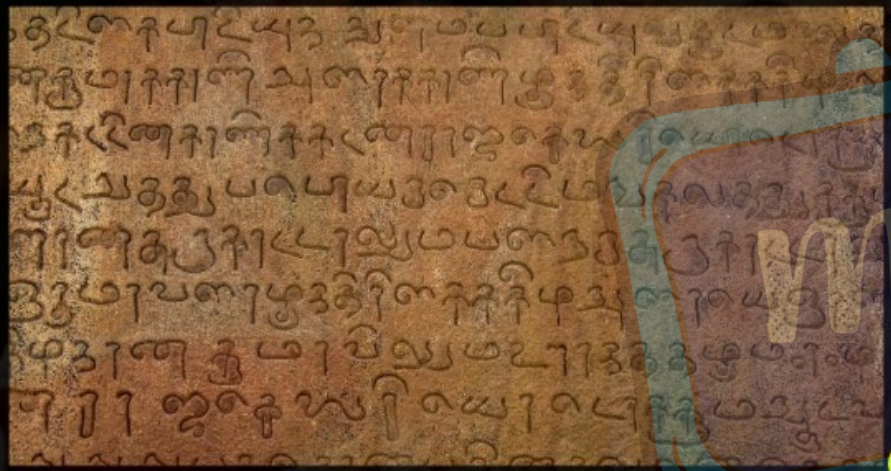

- इस आंदोलन का ठोस परिणाम यह हुआ कि प्रान्तीय भाषाओं के साहित्य का उत्कर्ष हुआ।
- इन संतों ने जन साधारण की भाषा में उपदेश दिये जिससे हिंदी, बंगाली, मराठी, मैथिल, तमिल, तेलगू आदि भाषाऐं समुन्नत हुई।
- इसी कारण भक्ति आन्दोलन के काल को प्रान्तीय भाषाओं के विकास की दृष्टि से स्वर्णयुग कहा जा सकता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q भक्ति आंदोलन को प्रान्तीय भाषाओं के विकास का स्वर्णिम युग क्यों कहा जाता है?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

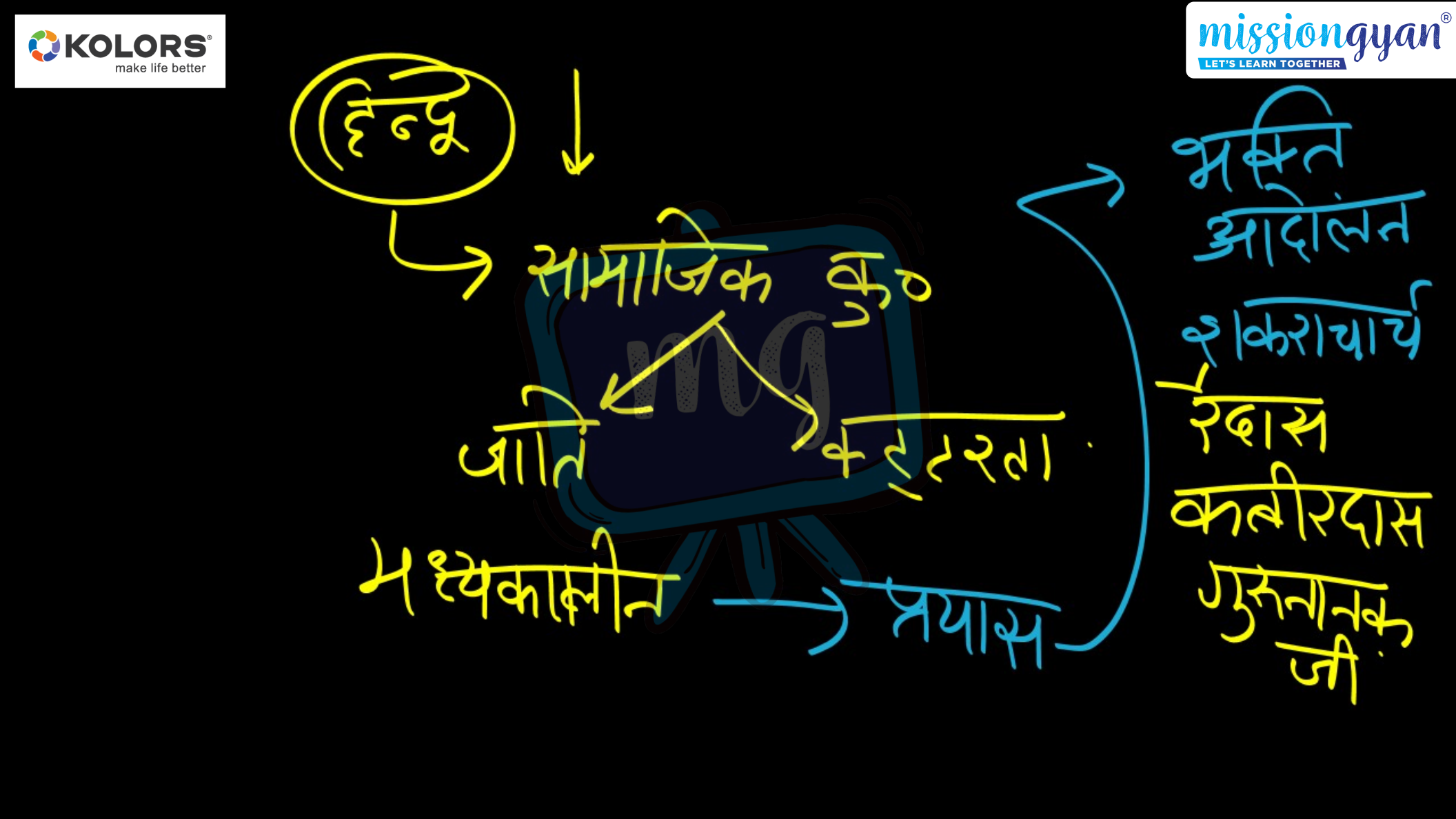

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्षान्तीय भाषा → हिंदी
→ मराठी
→ बंगाली

जनसाधारण

↓

आसान



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- भक्ति आन्दोलन का उदय दक्षिण भारत में हुआ।
  1. अलवार संत :- ये विष्णु भक्त थे।
     कुल संख्या = 63
  2. नयनार संत :- ये शिव भक्त थे।
     कुल संख्या = 12
- इसके बाद भक्ति आन्दोलन महाराष्ट्र में लोकप्रिय हुआ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- महाराष्ट्र के प्रमुख संत :- ज्ञानदेव, नामदेव, एकनाथ, तुकाराम।
- उत्तर भारत में संत रामानन्द के द्वारा भक्ति आन्दोलन को लोकप्रिय बनाया गया।
- भक्ति आन्दोलन की दो धाराएँ थी-
  1. निर्गुण भक्ति
  2. सगुण भक्ति

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

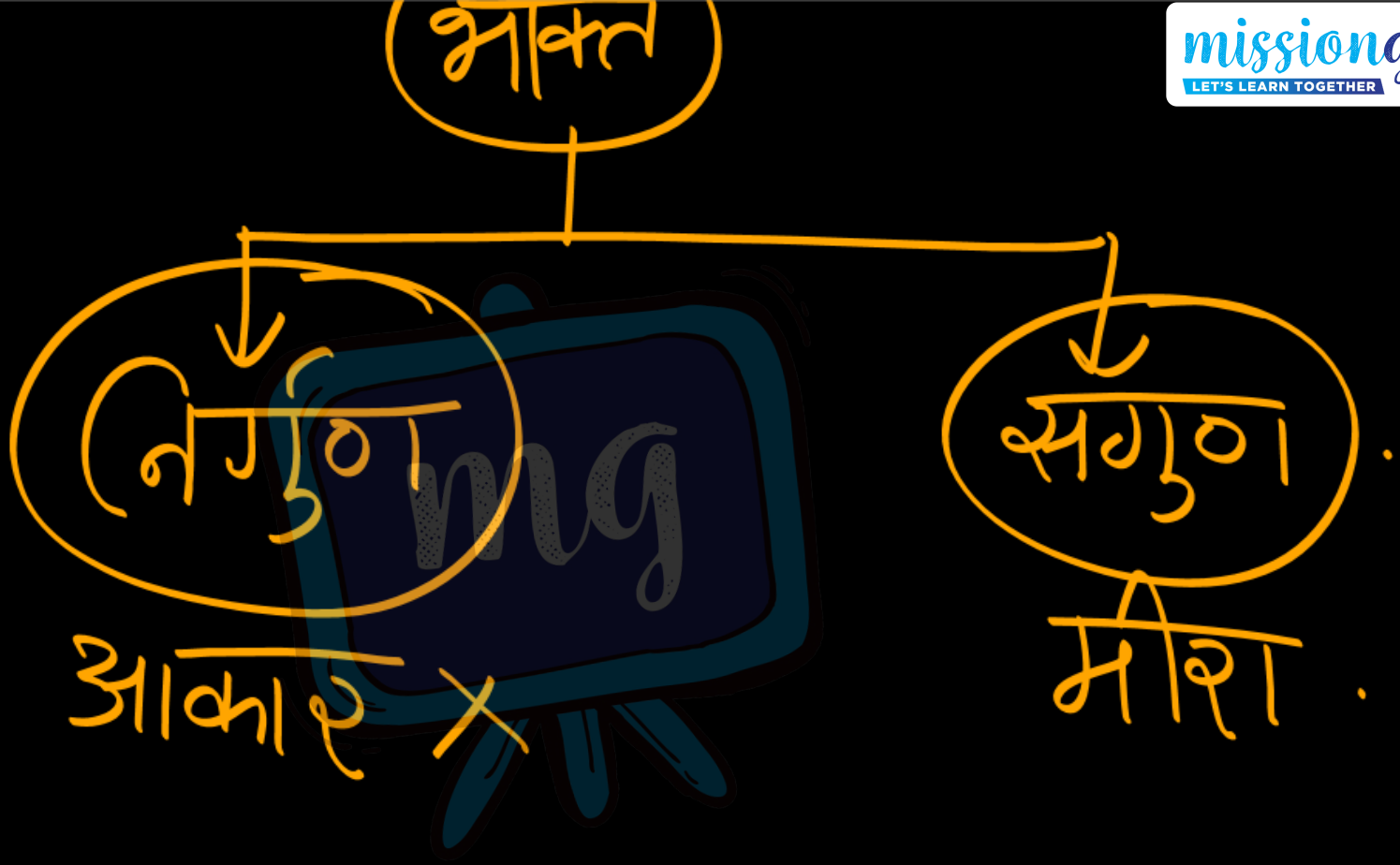

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भक्ति आन्दोलन के समानान्तर इस्लाम धर्म में सूफी आन्दोलन चला।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- संगीत
- मूर्तिकला
- साहित्य

इस काल की प्रधान विशिष्टता है कि साहित्य और मूर्तिकला दोनों में ही अनेक तरह के देवी-देवता अधिकाधिक दृष्टिगत होते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

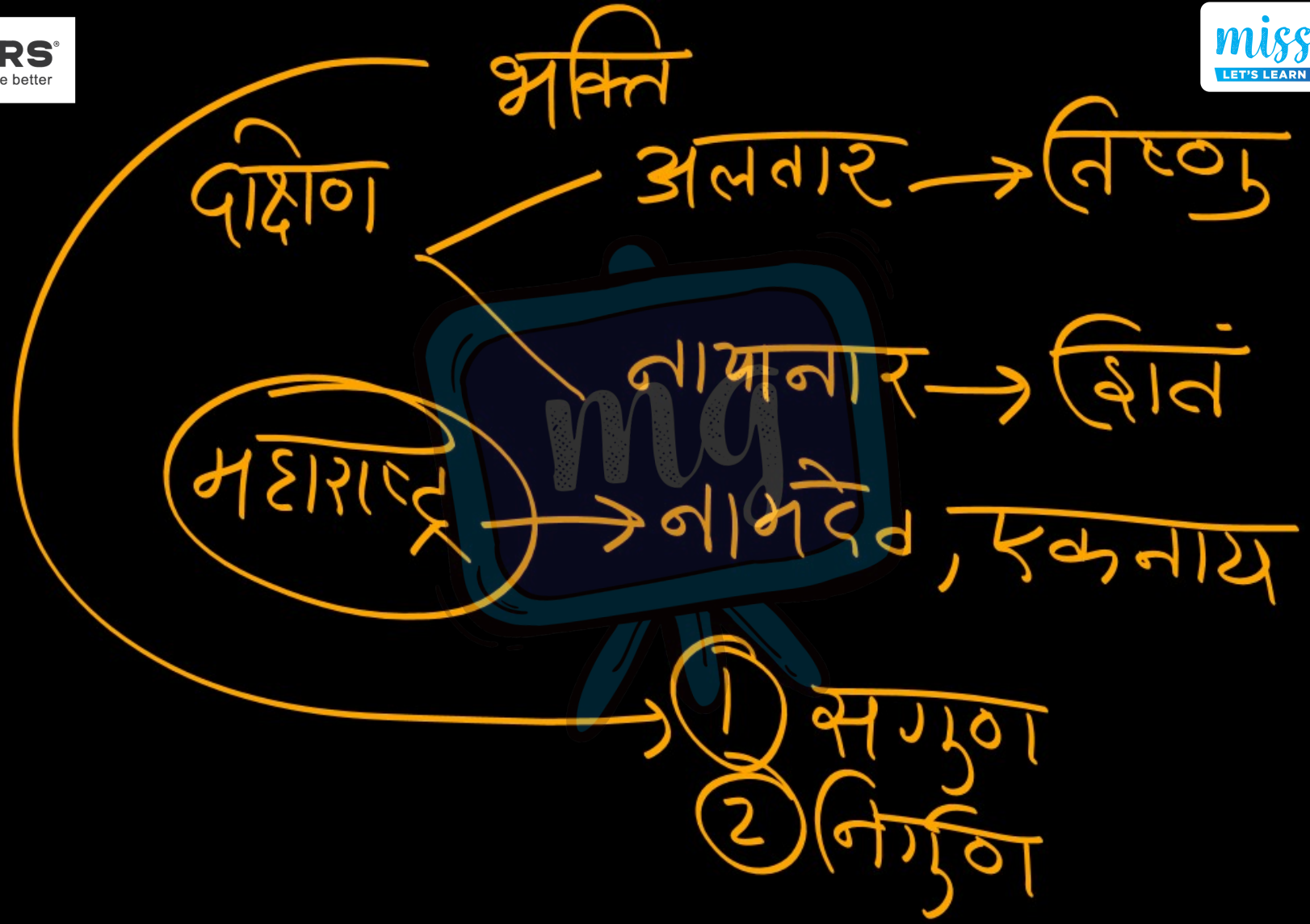

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

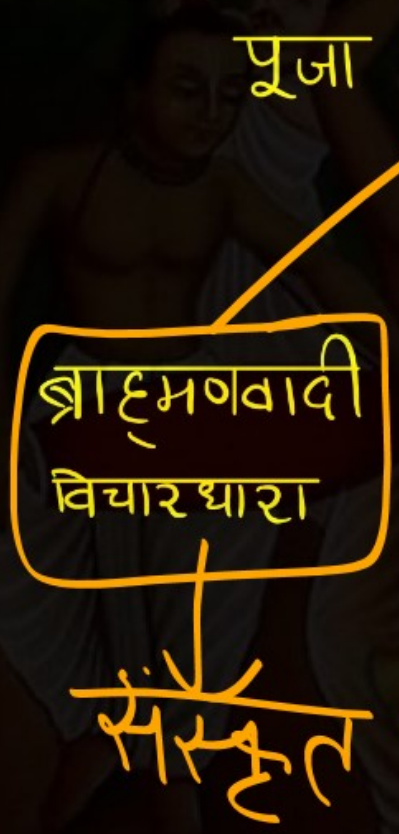

पूजा प्रणालियों का समन्वय :-

- इतिहाकारों के अनुसार पूजा प्रणाली के सम्बन्ध में दो प्रक्रियाओं का उल्लेख मिलता है।

1. पहली प्रक्रिया ब्राह्मणवादी विचारधारा के प्रसार से संबंधित थी।

- इसमें ब्राह्मणवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार परिश्रमपूर्वक - पौराणिक ग्रन्थों की रचनाओं का संकलन करके किया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. भक्ति आंदोलन को परिभाषित करें ?

Q. भक्ति परंपरा के 5 प्रमुख संतो के नाम लिखें ?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. भक्ति परंपरा की शुरुआत कहां से हुई?

Q. अलवार और नयनार संत कौन थे?

Q. निर्गुण और सगुण भक्ति के भेद को बताइए?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. प्रान्तीय आर्यभाषाओं का स्वर्णकाल कौनसा था?

Q. वैदिक धर्म में मोक्ष का मार्ग कौनसा बताया गया?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

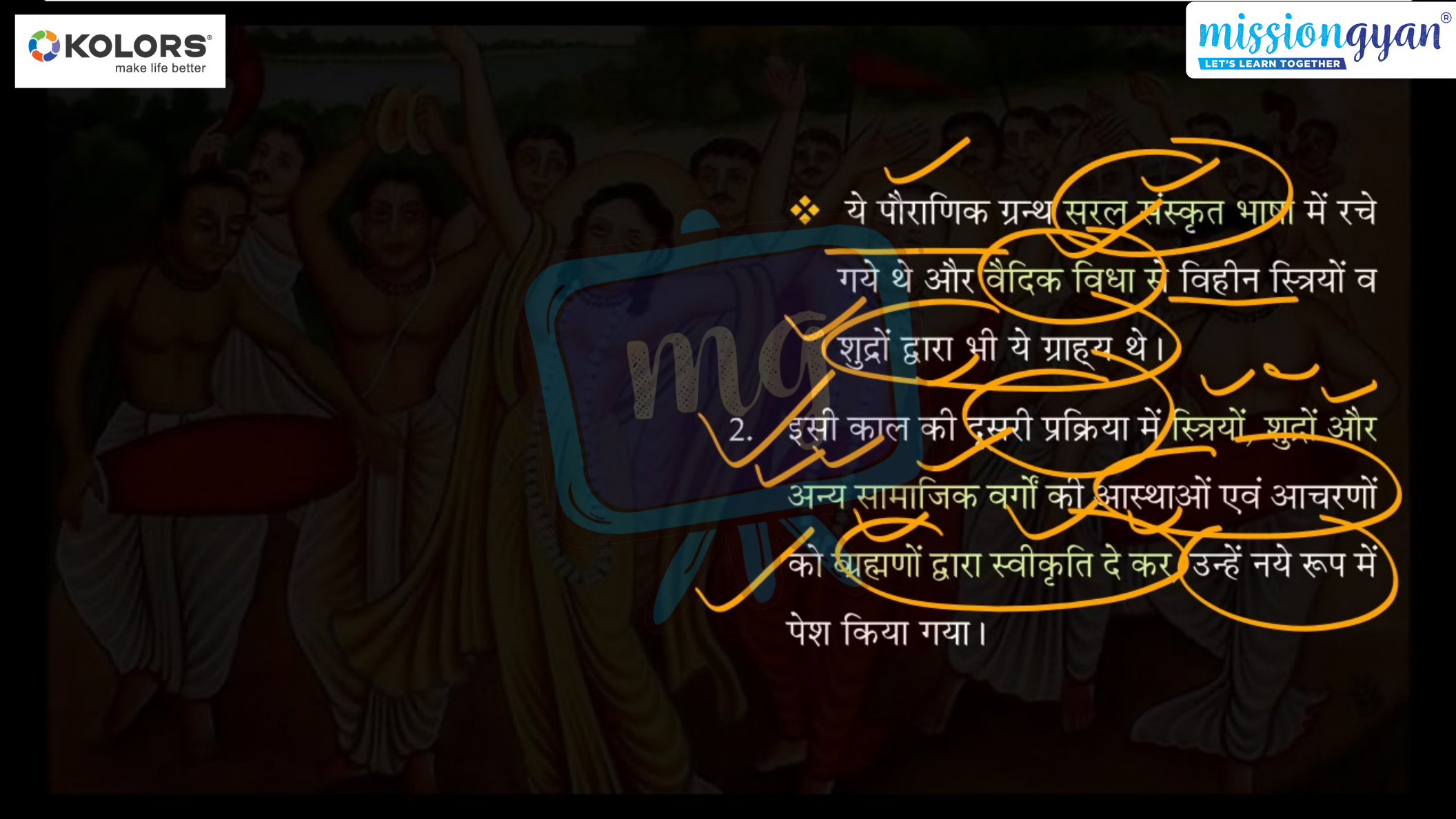

- ये पौराणिक ग्रन्थ सरल संस्कृत भाषा में रचे गये थे और वैदिक विधा से विहीन स्त्रियों व शुद्रों द्वारा भी ये ग्राह्य थे।

2. इसी काल की दूसरी प्रक्रिया में स्त्रियों, शुद्रों और अन्य सामाजिक वर्गों की आस्थाओं एवं आचरणों को ब्राह्मणों द्वारा स्वीकृति दे कर, उन्हें नये रूप में पेश किया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

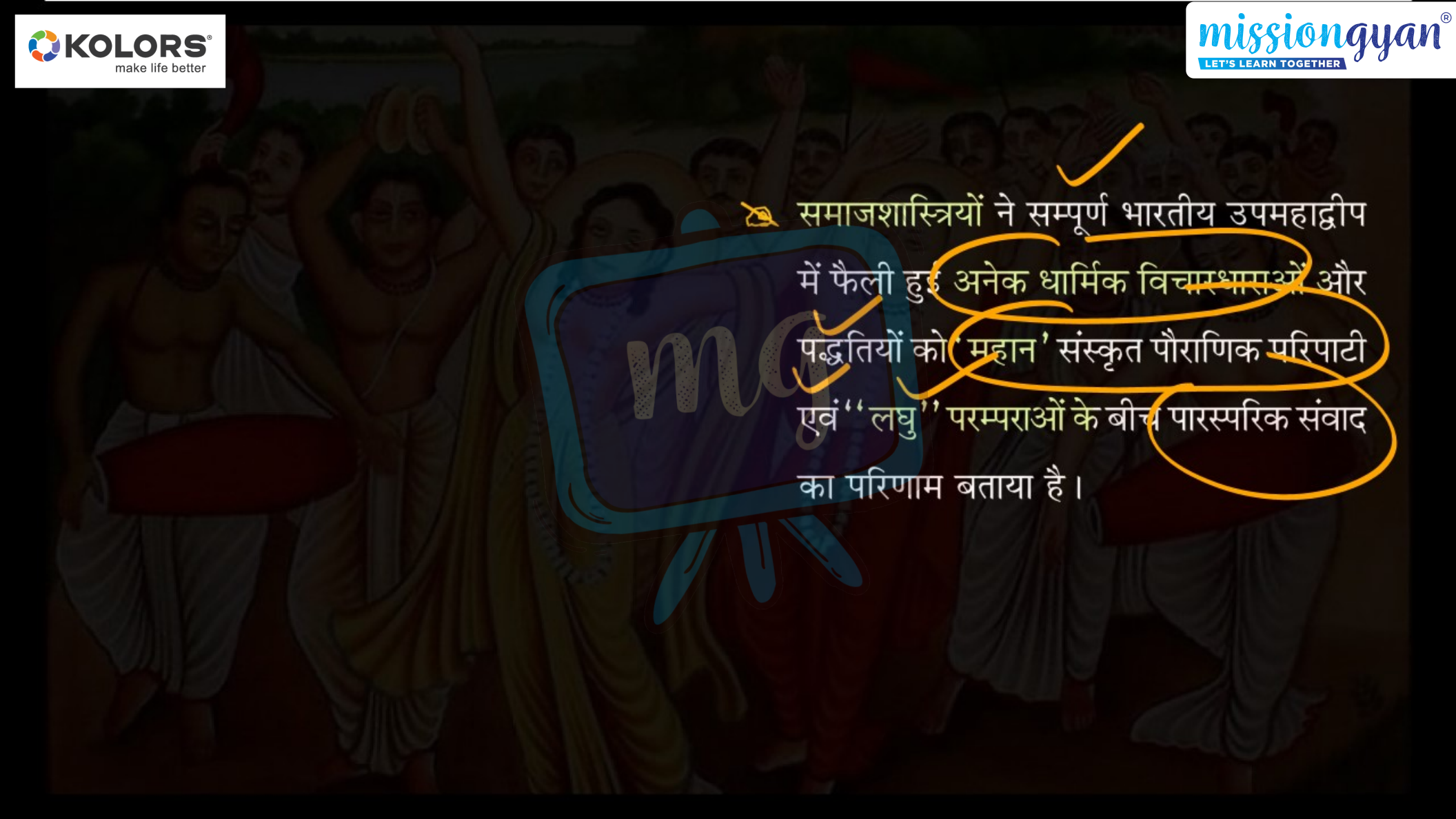

- समाजशास्त्रियों ने सम्पूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप में फैली हुई अनेक धार्मिक विचारधाराओं और पद्धतियों को 'महान' संस्कृत पौराणिक परिपाटी एवं "लघु" परम्पराओं के बीच पारस्परिक संवाद का परिणाम बताया है।